3. संज्ञा

प्रत्येक वस्तु का एक नाम होता है। व्याकरण में नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा से ही किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान आदि को पहचाना जाता है। संज्ञा भी कई प्रकार की होती है। बच्चे कक्षा 1 से ही संज्ञा के बारे में थोड़ा-थोड़ा जानते आ रहे हैं। इस कक्षा में बच्चे संज्ञा के बारे में कुछ और नया जानेंगे।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका संज्ञा की पुनरावृत्ति करवाते हुए बच्चों से पूछें, संज्ञा किसे कहते हैं। बच्चों द्वारा उत्तर देने के उपरांत पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर उसके संज्ञा शब्दों पर चर्चा करें।
- ❖ बताएँ, व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान के नामों के अलावा भावों के नाम भी संज्ञा कहलाते हैं।
- ❖ समझाएँ, मन में उठने वाले सभी भावों, मानव जीवन की प्रत्येक अवस्था या स्थिति अथवा वे नाम जिन्हें हम केवल महसूस कर सकते हैं, देख या छू नहीं सकते, वे सभी नाम भाववाचक संज्ञा होते हैं।
- ❖ कुछ उदाहरणों द्वारा भाववाचक शब्दों को स्पष्ट रूप से समझाएँ। जैसे– बच्चे का बचपन, वृद्धावस्था ये मानव जीवन की अवस्था हैं। फूल की सुंदरता, माँ की ममता को मन से महसूस किया जा सकता है। ये भाव हैं।
- ❖ संज्ञा के भेदों से परिचित करवाते हुए व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञाएँ समझाएँ।
- ❖ प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें। समझाएँ, विशेष व्यक्ति, वस्तु, प्राणी स्थान का नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा होता है। वह नाम जो किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, प्राणी आदि की संपूर्ण जाति या वर्ग का बोध करवाता है, जातिवाचक संज्ञा कहलाता है। किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी के गुण-दोष, स्वभाव, स्थिति, हालत या भाव आदि के बारे में बताने वाले नाम भाववाचक संज्ञा होते हैं।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए उदाहरणों की सहायता से संज्ञा भेद स्पष्ट करें।
- ❖ सुनिश्चित करें, बच्चे संज्ञा भली-भाँति समझ गए हैं। इसके लिए बीच-बीच में शब्दों या वाक्यों को बोलकर बच्चों से संज्ञा भेद पूछते रहें।
- ❖ अभ्यास कार्य में बच्चों की यथोचित सहायता करें।